Central Water Commission
Technical Documentation Directorate
Bhagirath(English)& Publicity Section
****

West Block II, Wing No-5
R K Puram, New Delhi – 66.

Dated 9.3.18

Subject: Submission of News Clippings.

The News Clippings on Water Resources Development and allied subjects are enclosed for perusal of the Chairman, CWC, and Member (WP&P/D&R/RM), Central Water Commission. The soft copies of clippings have also been uploaded on the CWC website.

9.3.18
SPA (Publicity)

Encl: As stated above.

Deputy Director (Publication)

9/3/18

For information of Chairman &Member (WP&P/D&R/R.M.), CWC and all concerned, uploaded at www.cwc.nic.in

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

जल संसाधन, नदी विकास और
गंगा संरक्षण मंत्रालय
भारत सरकार

सत्यमेव जयते

**Ministry of Water Resources,
River Development and
Ganga Rejuvenation
Government of India**

जल बचत – जल संचय

9.3.T10

International Workshop on "Use of Large Diameter Pipes for Mega Water Conveyance Systems"

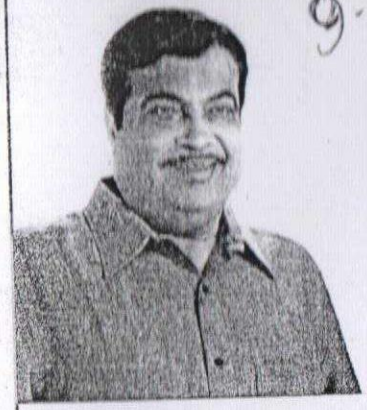

to adopt Global Best Practices ensuring Cost-effective, Environment Friendly & Efficient Water Transfer

:: Chief Guest ::

Shri Nitin Gadkari
**Minister of Road Transport & Highways, Shipping and Water Resources, River Development & Ganga Rejuvenation
Government of India**

:: Guests of Honour ::

Shri Arjun Ram Meghwal
Minister of State for Parliamentary Affairs and
Water Resources, River Development & Ganga Rejuvenation,
Government of India

Dr. Satya Pal Singh
Minister of State for Human Resource Development and
Water Resources, River Development & Ganga Rejuvenation,
Government of India

**on Friday, 9th March, 2018 at 10:00 AM
Hotel Le Meridien, New Delhi**

Advantages of Technology

- Cross Country, Inter-State Water Transfer
- Minimal Land Acquisition
- Reduced disturbance to Forest areas
- Optimal Maintenance and Cleaning Costs
- Speedier Construction
- No Evaporation and Seepage Losses
- Elimination of Risk of Water Contamination
- No Water Theft
- Cost Effective

Organised by

WAPCOS LIMITED

NWDA

News item/letter/article/editorial published on 9/3/18 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC

SYL canal: Khattar offers all-party meet

Chandigarh: A day after INLD held a rally in New Delhi on the Sutlej Yamuna Link (SYL) canal, Haryana Chief Minister Manohar Lal Khattar Thursday offered to convene an all-party meeting to draw line of action on this issue.

While addressing the Kisan Adhikar Rally at Ramlila Maidan in New Delhi on Wednesday, Leader of Opposition in Haryana Assembly and INLD leader Abhay Singh Chautala had warned of "Jail Bharo" movement if the construction work on the SYL canal was not started before May this year.

On Thursday, replying to the debate on the Governor's address on the fourth day of the Budget session of the Assembly, Khattar appealed to the opposition parties in the state not to politicise the issue and refrain from "using it as a ladder to climb to power as the public is well aware of their political gimmicks". ENS

News item/letter/article/editorial published on 9/3/18 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi) ✓
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC

मैदान के साथ पहाड़ों में भी रिकॉर्ड गर्मी पड़ेगी

हि - 9-3-18

अनुमान

देहरादून | मनमीत

भू-मध्यसागर और अटलांटिक सागर से लंबा सफर तय कर हिमालयी राज्यों में पहुंचने वाले बादल (पश्चिमी विक्षोभ) पिछले काफी समय से जम्मू कश्मीर के ऊपर से ही भटक रहे हैं। इस कारण उत्तराखंड में इस बार औसत से कम बारिश हुई। इससे सर्दियों में भी औसत तापमान पिछले कुछ सालों की अपेक्षा ज्यादा रहा और हिमपात भी बेहद कम रहा। पश्चिमी विक्षोभ का 'स्काई ट्रेक' गड़बड़ाने से इस बार उत्तरी भारत में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी पड़ सकती है।

इस बार दिसंबर, जनवरी और फरवरी में तापमान पिछले कई सालों के मुकाबले ज्यादा रहा। मौसम विज्ञान केंद्र (आईएमडी) के शोध के अनुसार, ऐसा पश्चिमी विक्षोभ से उठने वाले बादलों के रास्ता बदल लेने के कारण हो रहा है। असल में भू-मध्यसागर और अटलांटिक महासागर में होने वाले वाष्पीकरण से जो बादल बनते हैं, वो लंबा सफर तय कर अफगानिस्तान, पाकिस्तान से प्रवेश कर जम्मू कश्मीर के रास्ते हिमाचल और उत्तराखंड तक पहुंचते हैं। यहां हिमालय से टकराने के बाद ये दोनों राज्यों में बरसते हैं।

लेकिन, इस बार ये बादल जम्मू कश्मीर से पूर्व की ओर (हिमाचल-उत्तराखंड) की ओर आने के बजाये उत्तर (कजाकिस्तान-चीन) की ओर मुड़ गये। ऐसा एक बार नहीं, बल्कि अक्टूबर से फरवरी तक जितने भी बादल भू-मध्यसागर या अटलांटिक सागर से चले, सभी के साथ लगभग ऐसा ही हुआ। कुछ बादल हिमाचल और उत्तराखंड पहुंचे, जिस कारण थोड़ा बहुत यहां बारिश हो पाई। कम बारिश और बर्फबारी के चलते इस बार हिमाचल और उत्तराखंड में न्यूनतम और अधिकतम तापमान दो से तीन डिग्री तक ज्यादा रहा। अब विशेषज्ञों को चिंता इस बात की हो गई है कि अगर बादलों का ट्रेक ऐसा ही बदलता रहा तो अप्रैल, मई और जून में रिकॉर्ड गर्मी पड़ सकती हैं।

मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह ने बताया कि इसका एक कारण ग्लोबल वार्मिंग तो है ही। पश्चिमी विक्षोभ के ट्रेक में बदलाव के कारण भी इस बार बारिश और बर्फबारी कम हुई है।

बंगाल की खाड़ी से भी सहयोग नहीं

पश्चिमी विक्षोभ के कमजोर रहने के चलते बंगाल की खाड़ी से भी बादल उत्तराखंड तो पहुंच रहे हैं, लेकिन नमी न होने के चलते वे भी बरसने के बजाय केवल कुछ दिन छाने के बाद गायब हो रहे हैं। जिस कारण बारिश और हिमपात का स्तर न्यूनतम पहुंच गया है।

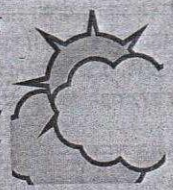

औसत तापमान

वर्ष 2017	
जनवरी 20.39	6.19
फरवरी 23.05	8.15
वर्ष 2017	
जनवरी 21.3	6.85
फरवरी 25.43	8.95
वर्ष 2018	
जनवरी 22.88	6.14
फरवरी 25.27	9.87

ये है मानक
- जनवरी में 19.08 रहना चाहिये जबकि न्यूनतम 05.8 (दोनों औसत)
- फरवरी में 21.07 रहना चाहिये जबकि न्यूनतम 07.5 (दोनों औसत)

News item/letter/article/editorial published on 9/3/18 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
~~Hindustan~~ (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English) & Publicity Section, CWC

गंगा सफाई पर ताजा रिपोर्ट मांगी

नई दिल्ली | एजेंसियां

9-3-18

एनजीटी ने उत्तराखंड सरकार को गोमुख और हरिद्वार के बीच गंगा नदी की सफाई के लिए उठाए गए कदमों पर एक ताजा रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है।

गंगा की सफाई के लिए पर्यावरणविद अधिवक्ता महेन्द्र चन्द्र मेहता की याचिका पर न्यायमूर्ति जावद रहीम की अध्यक्षता वाली एक खंडपीठ ने इस बारे में आदेश दिया और कहा कि पेश रिपोर्ट में खामियां हैं और इसमें यह नहीं बताया गया है कि अधिकरण के निर्देशों का पालन किया गया है या नहीं।

खंडपीठ ने सभी संबंधित पक्षों को पूरक रिपोर्ट की प्रति देने के बाद एक सप्ताह के भीतर इसे दाखिल करने का निर्देश दिया। अधिकरण ने कहा कि हम यह स्पष्ट कर देना चाहते हैं कि आगे कोई समय निर्धारित नहीं की गई है। खंडपीठ ने बताया कि उत्तराखंड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से रिपोर्ट दायर की गई है। हम इसकी सुनवाई दूसरे मामलों के साथ ही करेंगे। इस मामले की सुनवाई अब 13 मार्च को होगी। अधिकरण ने कहा था कि सरकार ने दो साल में गंगा को साफ करने पर 7,000 करोड़ रुपये खर्च किये गए हैं लेकिन अभी भी गंगा एक गंभीर पर्यावरणीय मुद्दा बनी हुई है।

एनजीटी सख्त

- पीठ ने उत्तराखंड की ओर से पेश रिपोर्ट में कई खामियां बताईं
- सात हजार करोड़ रुपये खर्च होने पर भी गंगा साफ नहीं

Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald
The Times of India (A)
Blitz
9/3/18
and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC

पत्रिका 9-3-18

चार कुएं और 18 हैंडपंप बेकार...

तालाब का गंदा पानी पीने को मजबूर ग्रामीण

अनुज कौशिक
rajasthanpatrika.com

जालौन. जल ही जीवन है। जल है तो कल है। लेकिन जब जल न हो तो जीवन रुक सा जाता है। पानी की किल्लत की विकराल समस्या देखनी हो तो बुंदेलखंड के जालौन आइये। पेयजल के लिये पूरा गांव त्राहिमाम कर रहा है। 500 की आबादी वाले कुठौंद ब्लॉक के तिरावली गांव में 18 सरकारी हैंडपंप लगे हैं, बावजूद इसके ग्रामीणों को स्वच्छ पानी की एक बूंद तक नसीब नहीं हो रही है। इस गांव में चार कुएं हैं, लेकिन सभी गंदे पड़े हैं। लंबे समय से कुओं की सफाई नहीं हुई और न ही दवा का छिड़काव किया गया। इसके चलते अधिकांश ग्रामीण गांव के बाहर बने तालाब का गंदा पीने को मजबूर हैं।

हकीकत अधिकारियों को भी पता है, लेकिन वो कुम्भकर्णी नींद से जाग नहीं पा रहे हैं। वो एसी कमरों में बैठकर मिनरल वाटर का लुत्फ उठा रहे हैं, जबकि जालौन जिले के इस गांव के सैकड़ों ग्रामीण तालाब का गंदा पानी पीने को मजबूर हैं। ग्रामीणों का कहना है कि अगर स्थिति जल्दी न सुधरी तो वे परिवार सहित गांव छोड़ देंगे। ये हाल तब है जब अभी गर्मी का प्रकोप शुरू भी नहीं हुआ है। हालांकि, 10 दिन पहले पेयजल समस्या को लेकर योगी सरकार के तीन मंत्रियों ने बुंदेलखंड के सभी सांसदों-विधायकों और झांसी-चित्रकूट मण्डल के अधिकारियों के साथ बैठक की थी और इस समस्या से निजात दिलाने की बात कही थी।

बताया दर्द

तिरावली के महिला और पुरुषों का कहना है कि उन्हें मजबूरी में गंदा पानी पीना पड़ रहा है। कई बार अधिकारियों को बताया लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। ...

गंदे पानी से हो सकती है मौत : डॉ. दीपक

जालौन में दूषित पानी पीने पर जिला चिकित्सालय में तैनात चिकित्सक डॉक्टर दीपक आर्य ने बताया कि दूषित पानी पीने से कई बीमारियां शरीर में हो जाती हैं। गंदा पानी पीने से पूरे शरीर में इंफेक्शन हो जाता है, जिसे नियंत्रण करना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने कहा कि अगर गंदा पानी पीने से फैलने वाले इन्फेक्शन का सही समय पर इलाज नहीं किया गया तो पीड़ित व्यक्ति की मृत्यु तक हो सकती है। इसलिये हर किसी को हमेशा साफ पानी पीना जरूरी है।

है, परिवार की प्यास बुझाने के लिये भी तालाब का गंदा पानी लाना पड़ता है। बताया कि गांव में 18 हैंडपंप लगे हैं, लेकिन कोई सही नहीं है। कुएं भी खराब पड़े हैं। अगर ऐसा ही हाल रहा तो यमुना नदी से पानी भरकर लाना पड़ेगा, नहीं तो कुठौंद पलायन करना पड़ेगा।

समस्या का समाधान जल्द : सीडीओ

मामले में कुठौंद विकास खंड के खंड विकास अधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि ग्राम तिरावली का मामला उनके संज्ञान में आया है। इस संबंध में उच्चाधिकारियों से बात हुई है। उन्होंने कहा कि कोई भी तालाब से पानी नहीं पी रहा है। सिर्फ जानवरों के लिये ग्रामीण तालाब से पानी ले जा रहे हैं। इस मामले में और पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। गांव में 18 हैंडपम्प लगे हुई हैं और सभी को सही जल्द ठीक करा दिया जायेगा। किसी को भी दूषित पानी नहीं पीने दिया जायेगा। सीडीओ ने बताया कि पहले बोरिंग ...

3
Covering L., YIS